आज म्हारे आंगणिया में सतगुरु आया जी लिरिक्स

आज म्हारे आंगणिया में,
सतगुरु आया जी,
सतगुरु आया म्हारा,
बंधन छुड़ाया जी,
आज म्हारे आंगनिया में,
सतगुरु आया जी।bd।

हाथ में शब्दा री पोथी,
म्हारे आंगण आया जी,
शबद सुणाया म्हारा,
भरम मिटाया जी,
आज म्हारे आंगनिया में,
सतगुरु आया जी।bd।

कुंभ ने कलश लेने,
आरती उतारूँ जी,
मोतीया रा चौक,
पुराऊ जी पुराऊ जी,
आज म्हारे आंगनिया में,
सतगुरु आया जी।bd।

हाथ माहे कमंडल,
गले फूल माला जी,
द्वादश तिलक,
लगाया जी लगाया जी,
आज म्हारे आंगनिया में,
सतगुरु आया जी।bd।

धर्मीदास जी री अरज गुरा ने,
बिछड़योडा राम मिलाया जी,
मिलाया जी,
आज म्हारे आंगनिया में,
सतगुरु आया जी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आज म्हारे आंगणिया में,
सतगुरु आया जी,
सतगुरु आया म्हारा,
बंधन छुड़ाया जी,
आज म्हारे आंगनिया में,
सतगुरु आया जी।bd।

स्वर- संत श्री अमृतराम जी महाराज।

Upload By – Keshav

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com